भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

13.02.2019 के

तारांकित प्रश्न सं. 154 का उत्तर

यात्री रेलगाड़ियों के स्थान पर मेमू रेलगाड़ियां चलाया जाना

***154. श्रीमती एम. वसन्तीः**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय अपनी यात्री रेलगाड़ियों के स्थान पर मेमू रेलगाड़ियां चलाने की योजना बना रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस निर्णय से यात्रा समय कम होने तथा अधिक व्यस्त रेल मार्गों पर दवाब कम होने की उम्मीद है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, कोयला, वित्त एवं कारपोरेट कार्य मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

यात्री रेलगाड़ियों के स्थान पर मेमू रेलगाड़ियां चलाए जाने के संबंध में दिनांक 13.02.2019 को लोक सभा में श्रीमती एम. वसन्ती के तारांकित प्रश्न सं.154 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): जी हां। भारतीय रेलों पर परंपरागत पैसेंजर गाड़ियों को मेन लाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (मेमू) और डीज़ल-इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डेमू) गाड़ियों में बदला जाना एक सतत प्रक्रिया है और इसके लिए मेमू/डेमू सवारीडिब्बों की उपलब्धता के अध्यधीन उन मार्गों पर चलाने की प्राथमिकता दी जाती है जहां गाड़ियों को बार-बार रिवर्सल करना पड़ता है और जहां क्षमता संबंधी तंगी होती है, विशेषरूप से उच्च घनत्व वाले नेटवर्क पर। पिछले 3 वर्षों अर्थात 2016-17, 2017-18, 2018-19 के दौरान 86 जोड़ी यात्री गाड़ियों को मेमू/डेमू गाड़ियों में बदला गया है।

(ग) और (घ): जी हां। मेमू/डेमू गाड़ियों में परंपरागत पैसेंजर गाड़ियों की तुलना में अधिक तेजी से चलने/धीमी गति से चलने की क्षमता होती है। इसके अलावा, ऐसी गाड़ियों में टर्मिनेटिंग/ ओरिजिनेटिंग स्टेशनों पर शंटिंग और पावर रिवर्सल की आवश्यकता नहीं होती है। इस प्रकार, इन गाड़ियों से अति व्यस्त मार्गों में यात्रा समय में कमी लाने और थ्रुपुट बढ़ने से संकुलन कम करने में भी सहायता मिलती है।

****